SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal
"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Junior Scientific Assistant — State Forensic Science Laboratory, Rajasthan

राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला वह जगह है जहाँ अपराध के भौतिक साक्ष्य की जाँच होती है — घटनास्थल से आया रक्त, विष, हथियार, गोली का खोल, जला हुआ अवशेष, हस्तलेख एवं संदिग्ध दस्तावेज़। कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक इसी प्रयोगशाला का तकनीकी...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-junior-scientific-assistant

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

🙏 विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला वह जगह है जहाँ अपराध के भौतिक साक्ष्य की जाँच होती है — घटनास्थल से आया रक्त, विष, हथियार, गोली का खोल, जला हुआ अवशेष, हस्तलेख एवं संदिग्ध दस्तावेज़। कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक इसी प्रयोगशाला का तकनीकी कर्मी है: नमूने प्राप्त करना एवं उनकी शृंखला बनाए रखना, निर्धारित विधियों से परीक्षण करना, उपकरण चलाना, प्रेक्षण अभिलेखबद्ध करना और वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी की रिपोर्ट के लिए आधार तैयार करना। यह काम सीधे न्याय-प्रक्रिया से जुड़ा है, क्योंकि प्रयोगशाला की रिपोर्ट न्यायालय में साक्ष्य बनती है। इस पद के बारे में दो बातें ऐसी हैं जो अधिकांश विद्यार्थी नहीं जानते। पहली — विधि विज्ञान (फोरेंसिक) में जाने के लिए किसी विशेष "फोरेंसिक साइंस" की डिग्री की आवश्यकता नहीं; साधारण बी.एससी. से यह रास्ता खुलता है, और आपने कौन-से विषय पढ़े हैं यही तय करता है कि प्रयोगशाला की सात शाखाओं में से किसके लिए आप पात्र हैं। दूसरी — इस पद का वेतनमान पे मैट्रिक्स लेवल 10 है, जिसका आरंभिक मूल वेतन ₹33,800 है; अर्थात् केवल स्नातक की योग्यता पर यह स्तर मिलता है, स्नातकोत्तर की आवश्यकता नहीं।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	भारत में विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से बी.एससी. डिग्री — विषय उस शाखा के अनुसार जिसके लिए आवेदन किया जा रहा है: प्रलेख (दस्तावेज़) के लिए भौतिकी व रसायन शास्त्र; रसायन के लिए रसायनशास्त्र; भौतिकी के लिए भौतिकी व भौतिक रसायन; अस्त्रक्षेप (बैलिस्टिक्स) के लिए भौतिकी, रसायन व गणित; जैविक तथा सीरम के लिए वनस्पतिशास्त्र/प्राणीशास्त्र/जैवरसायन/सूक्ष्मजैविकी; विष (टॉक्सिकोलॉजी) के लिए रसायनशास्त्र। सभी पदों के लिए देवनागरी लिपि में लिखी हिन्दी का कार्य-ज्ञान एवं राजस्थान की संस्कृति का ज्ञान भी आवश्यक है। स्नातकोत्तर उपाधि आवश्यक नहीं
भर्ती संस्था	राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आर.एस.एस.बी.) — पद राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला विभाग, राजस्थान, जयपुर का है
आयु-सीमा	18 से 40 वर्ष, आवेदन की अंतिम तिथि के बाद आने वाली 1 जनवरी को
आरंभिक वेतन	₹33,800 (मूल) — पे मैट्रिक्स लेवल 10
माँग	संवर्ग छोटा है और भर्ती बहुत लंबे अंतराल पर आती है — विज्ञप्ति स्वयं कहती है कि पिछले तीन वर्षों में इस पद की परीक्षा नहीं हुई थी, और इसी कारण अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु में तीन वर्ष की अतिरिक्त छूट दी गई

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- विज्ञान का प्रयोगात्मक पक्ष — प्रयोगशाला में स्वयं परीक्षण करना
- ऐसा काम जिसका परिणाम न्याय-प्रक्रिया में सीधे काम आता है
- अन्वेषण एवं प्रमाण से निष्कर्ष तक पहुँचने की प्रक्रिया

क्षमताएँ

- अत्यधिक सावधानी एवं सटीकता — यहाँ की गई भूल किसी अभियोग की दिशा बदल सकती है, इसलिए इस पद पर सावधानी केवल गुण नहीं, अनिवार्यता है
- अभिलेख रखने की अनुशासित आदत, क्योंकि नमूने की शृंखला (chain of custody) टूटने पर साक्ष्य का मूल्य समाप्त हो जाता है
- निष्पक्षता — परिणाम वही लिखना जो परीक्षण से निकले, चाहे वह किसी के पक्ष में जाए या विपक्ष में

ज़रूरी कौशल

- नमूनों की प्राप्ति, पहचान, अभिलेखन एवं सुरक्षित रख-रखाव
- निर्धारित मानक विधियों से रासायनिक, भौतिक अथवा जैविक परीक्षण करना
- प्रयोगशाला उपकरणों का संचालन, अंशांकन एवं रख-रखाव
- प्रेक्षणों का सटीक अभिलेखन एवं परीक्षण-प्रतिवेदन के लिए आँकड़े तैयार करना
- प्रयोगशाला की सुरक्षा एवं रासायनिक पदार्थों का सुरक्षित प्रबंधन
- गोपनीयता बनाए रखना, क्योंकि प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन होते हैं

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 विज्ञान से उत्तीर्ण करें। यहीं से यह रास्ता तय होना शुरू हो जाता है, इसलिए विषय सोच-समझकर चुनें।
2. बी.एससी. करें — और यही इस पृष्ठ की सबसे व्यावहारिक बात है: आपके बी.एससी. के विषय ही तय करते हैं कि प्रयोगशाला की किस शाखा के लिए आप पात्र होंगे। रसायनशास्त्र से रसायन एवं विष (टॉक्सिकोलॉजी) दोनों शाखाएँ खुलती हैं। भौतिकी के साथ रसायन हो तो प्रलेख (दस्तावेज़ जाँच) खुलता है। भौतिकी, रसायन एवं गणित तीनों हों तो अस्त्रक्षेप (बैलिस्टिक्स) भी खुल जाता है — यह संयोजन सबसे अधिक शाखाओं तक पहुँचाता है। वनस्पतिशास्त्र, प्राणीशास्त्र, जैवरसायन अथवा सूक्ष्मजैविकी से जैविक एवं सीरम शाखाएँ खुलती हैं।
3. ध्यान दें कि किसी विशेष "फोरेंसिक साइंस" की डिग्री की माँग नहीं है। यह ग़लतफ़हमी बहुत आम है और इसके कारण कई विद्यार्थी या तो महँगे निजी पाठ्यक्रमों में चले जाते हैं या यह मानकर रास्ता छोड़ देते हैं कि उनकी साधारण बी.एससी. काम नहीं आएगी। विज्ञप्ति की योग्यता साधारण बी.एससी. ही माँगती है।
4. स्नातकोत्तर आवश्यक नहीं है। यदि आप आगे पढ़ना चाहते हैं तो वह अपने कारणों से करें — इस पद की पात्रता के लिए नहीं। बी.एससी. पूरी होते ही आप आवेदन के योग्य हैं।
5. योग्यता के अंतिम वर्ष में पढ़ रहे अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं, पर लिखित परीक्षा की तिथि तक योग्यता अर्जित कर लेने का प्रमाण देना अनिवार्य है। विज्ञप्ति आने पर एस.एस.ओ. पोर्टल से ऑनलाइन आवेदन करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। यहाँ एक बात स्पष्ट रूप से कहना आवश्यक है: इस विज्ञप्ति में परीक्षा की स्कीम एवं पाठ्यक्रम दिया ही नहीं गया — विज्ञप्ति स्वयं कहती है कि ये बोर्ड की वेबसाइट पर अलग से उपलब्ध हैं। इसलिए यह पृष्ठ प्रश्न-पत्रों की संख्या, अंक अथवा समय नहीं बताता, क्योंकि वह जानकारी इस दस्तावेज़ में है ही नहीं। दूसरी भर्तियों के ढाँचे से अनुमान लगाकर लिखना आसान होता, पर वह अनुमान होता — तथ्य नहीं। आवेदन से पहले बोर्ड की वेबसाइट से वर्तमान स्कीम एवं पाठ्यक्रम स्वयं देखें।
- यह पद सात अलग शाखाओं में भरा जाता है और आवेदन शाखा-विशिष्ट होता है: प्रलेख, रसायन, भौतिकी, अस्त्रक्षेप, जैविक, सीरम एवं विष। इसका व्यावहारिक अर्थ यह है कि प्रतिस्पर्धा भी शाखावार बँट जाती है — आप उन सबसे नहीं लड़ रहे जिन्होंने बी.एससी. की है, बल्कि केवल उनसे जिनके विषय आपकी शाखा से मेल खाते हैं। जिनके पास भौतिकी, रसायन एवं गणित तीनों हैं, वे सबसे अधिक शाखाओं में पात्र होते हैं, और यह आवेदन के समय एक वास्तविक लाभ है।
- नियुक्ति के बाद परिवीक्षा अवधि में पद का वेतनमान नहीं, बल्कि राज्य सरकार के आदेशानुसार मासिक नियत पारिश्रमिक मिलता है। परिवीक्षा पूरी होने पर पूर्ण वेतनमान एवं भत्ते लागू होते हैं। यह प्रावधान राजस्थान की सभी सीधी भर्तियों पर समान रूप से लागू है।
- भर्ती राजस्थान राज्य विधि विज्ञान अधीनस्थ सेवा नियम, 1980 के अंतर्गत होती है। यह सेवा नियमावली का अपना होना ही इस बात का प्रमाण है कि यह एक स्वतंत्र संवर्ग है — किसी बड़े विभाग का उप-पद नहीं। पद राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला विभाग, जयपुर का है।
- आयु की गणना आवेदन की अंतिम तिथि के बाद आने वाली 1 जनवरी को होती है, और सामान्य सीमा 18 से 40 वर्ष है। इस विज्ञप्ति में एक अतिरिक्त प्रावधान भी था जो इस संवर्ग की वास्तविकता बताता है: विभाग ने स्वयं लिखा कि पिछले तीन वर्षों में इस पद की सीधी भर्ती परीक्षा आयोजित नहीं हुई थी, और इस कारण अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु सीमा में तीन वर्ष की और छूट दी गई। किसी विभाग का लिखित रूप में यह स्वीकार करना कि उसने तीन वर्ष भर्ती नहीं की, इस अवसर के कितने विरल होने का सबसे ईमानदार प्रमाण है।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Maharaja Ganga Singh University, Bikaner — B.Sc in the science subjects this post asks for — बीकानेर, राजस्थान (https://www.mgsubikaner.ac.in/)
- Mohanlal Sukhadia University, Udaipur — B.Sc in physics, chemistry, botany, zoology and microbiology — उदयपुर, राजस्थान (https://www.mlsu.ac.in/)
- Maharshi Dayanand Saraswati University, Ajmer — B.Sc in the science subjects — अजमेर, राजस्थान (https://www.mdsuajmer.ac.in/)

ऑनलाइन

- गृह विभाग, राजस्थान — राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला इसी विभाग के अधीन है — जयपुर, राजस्थान (https://home.rajasthan.gov.in/)
- राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड — विज्ञप्ति, परीक्षा की स्कीम, पाठ्यक्रम एवं परिणाम — जयपुर, राजस्थान (https://rssb.rajasthan.gov.in/)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

यह रास्ता सस्ता है, और यही इसकी सबसे बड़ी व्यावहारिक ख़ूबी है। राजकीय महाविद्यालय से तीन वर्ष की बी.एससी. की कुल फ़ीस निजी संस्थानों के किसी एक वर्ष से भी कम पड़ती है, और इसके आगे किसी विशेष अथवा महँगे पाठ्यक्रम की आवश्यकता नहीं — न स्नातकोत्तर, न कोई निजी "फोरेंसिक" डिप्लोमा। जिन विद्यार्थियों को विधि विज्ञान में रुचि है, उन्हें प्रायः महँगे निजी पाठ्यक्रमों की ओर भेज दिया जाता है; इस पद की योग्यता उनमें से किसी की माँग नहीं करती। खर्च केवल साधारण बी.एससी. का है, और वह डिग्री वैसे भी कई अन्य रास्ते खुले रखती है।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कौन नौकरी देता है

- राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला विभाग, राजस्थान — मुख्य प्रयोगशाला जयपुर में तथा क्षेत्रीय इकाइयाँ राज्य में अन्यत्र

माँग (2026)

यह छोटा एवं विशेषीकृत संवर्ग है और इसकी भर्ती बहुत लंबे अंतराल पर आती है — इसका सबसे ठोस प्रमाण स्वयं विज्ञप्ति में है, जो पिछले तीन वर्षों में परीक्षा न होने के कारण अतिरिक्त आयु-छूट देती है। इसलिए व्यावहारिक सलाह स्पष्ट है: इसी एक पद की प्रतीक्षा में योजना न बनाएँ। बी.एससी. की डिग्री का लाभ यही है कि वह एक साथ कई दरवाज़े खुले रखती है — इस पोर्टल पर रसायनज्ञ, प्रयोगशाला सहायक एवं प्रयोगशाला तकनीशियन जैसे अन्य वैज्ञानिक पद भी हैं, और निजी क्षेत्र की परीक्षण प्रयोगशालाएँ, औषधि एवं खाद्य उद्योग भी उसी डिग्री पर काम देते हैं। बोर्ड की वेबसाइट देखते रहें और जब यह विज्ञप्ति आए, तब अवश्य आवेदन करें। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. यह नियमित सरकारी सेवा का पद है, इसलिए वरिष्ठता, वार्षिक वेतन-वृद्धि, स्थायीकरण एवं पेंशन-संबंधी लाभ इसके साथ जुड़े हैं। परिवीक्षा पूरी होने पर पूर्ण वेतनमान लागू होता है।
2. प्रयोगशाला के भीतर आगे का रास्ता वैज्ञानिक अधिकारी एवं उससे ऊपर के पदों तक जाता है, जो सेवा नियमों के अनुसार पदोन्नति एवं आवश्यक योग्यता पर निर्भर करता है। इस दिशा में स्नातकोत्तर उपाधि, जो प्रवेश के लिए आवश्यक नहीं थी, आगे उपयोगी हो जाती है — इसलिए सेवा में रहते हुए आगे पढ़ना यहाँ एक समझदार योजना है।
3. बी.एससी. की डिग्री इस पद के बाहर भी काम करती रहती है। परीक्षण प्रयोगशालाएँ, गुणवत्ता नियंत्रण, औषधि एवं खाद्य उद्योग तथा शिक्षण — सब उसी डिग्री पर खुले रहते हैं। अर्थात् इस रास्ते में लगाया गया समय व्यर्थ नहीं जाता, चाहे यह विशेष पद मिले या न मिले।

कमाई

शुरुआत	₹33,800 (मूल, पे मैट्रिक्स लेवल-10)
मध्य स्तर	₹45,000 – ₹60,000 (भत्तों सहित, कुछ वर्षों की सेवा के बाद)
वरिष्ठ स्तर	₹70,000 से अधिक (भत्तों सहित, वरिष्ठ एवं पर्यवेक्षी स्तर पर)

विज्ञप्ति सातवें वेतनमान के अनुसार इस पद के लिए पे मैट्रिक्स लेवल 10 बताती है, और यह लेवल पढ़कर पुष्टि किया गया है — ओ.सी.आर. ने इसे "लेवल-0" पढ़ा था। लेवल 10 का आरंभिक मूल वेतन ₹33,800 है, और यह उन तीन लेवलों में से एक है जिनका रुपये में प्रमाणित आँकड़ा इस पोर्टल के दस्तावेज़ों से मिला है। इस आँकड़े को योग्यता के साथ रखकर देखिए, क्योंकि यही इस पद की सबसे बड़ी बात है: केवल बी.एससी. पर लेवल 10। इसी पोर्टल पर कनिष्ठ अभियंता (कृषि) एवं मोटर वाहन उप निरीक्षक भी लेवल 10 पर हैं, और उनमें से एक डिग्री माँगता है तथा दूसरा तीन-वर्षीय डिप्लोमा — अर्थात् वेतन-स्तर योग्यता से सीधे नहीं जुड़ा होता, वह पद एवं सेवा नियमों से तय होता है। परिवीक्षा अवधि में यह वेतनमान नहीं, नियत पारिश्रमिक मिलता है। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- केवल बी.एससी. पर पे मैट्रिक्स लेवल 10 (₹33,800 मूल) — स्नातकोत्तर की आवश्यकता नहीं। स्नातक की योग्यता पर इस स्तर तक पहुँचाने वाले वैज्ञानिक पद बहुत कम हैं।
- विधि विज्ञान में जाने के लिए किसी विशेष अथवा महँगे "फोरेंसिक" पाठ्यक्रम की आवश्यकता नहीं। साधारण बी.एससी. ही पात्रता है, और यह ग़लतफ़हमी दूर होना अपने आप में मूल्यवान है।
- सात शाखाओं में अलग-अलग आवेदन होने से प्रतिस्पर्धा बँट जाती है — आप हर बी.एससी. वाले से नहीं, केवल अपनी शाखा के पात्र अभ्यर्थियों से प्रतिस्पर्धा करते हैं।
- काम अर्थपूर्ण है और उसका परिणाम न्याय-प्रक्रिया में सीधे प्रयुक्त होता है, तथा प्रयोगशाला का काम नियमित कार्यालय-समय का होता है।

चुनौतियाँ

- भर्ती बहुत लंबे अंतराल पर आती है — विज्ञप्ति स्वयं तीन वर्ष तक परीक्षा न होने के कारण अतिरिक्त आयु-छूट देती है। केवल इस पद की प्रतीक्षा में योजना बनाना ठीक नहीं।
- संवर्ग छोटा है, इसलिए पदों की संख्या सीमित रहती है और भीतर पदोन्नति के अवसर भी सीमित हैं।
- शाखा-विशिष्ट पात्रता दोधारी है: यह प्रतिस्पर्धा घटाती है, पर यदि आपके बी.एससी. के विषय किसी शाखा से मेल नहीं खाते तो आप आवेदन ही नहीं कर सकते। विषयों का चुनाव स्नातक स्तर पर ही निर्णायक हो जाता है और बाद में बदला नहीं जा सकता।
- कुछ शाखाओं की सामग्री अप्रिय होती है — रक्त एवं शारीरिक द्रव, अथवा विषाक्त पदार्थ — और काम में सटीकता की माँग बहुत ऊँची है, क्योंकि यहाँ की भूल किसी अभियोग की दिशा बदल सकती है।

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. — https://rssb.rajasthan.gov.in/storage/advertisement_item/1736503435.pdf

2. — https://rssb.rajasthan.gov.in/

3. — https://home.rajasthan.gov.in/

4. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

5. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in